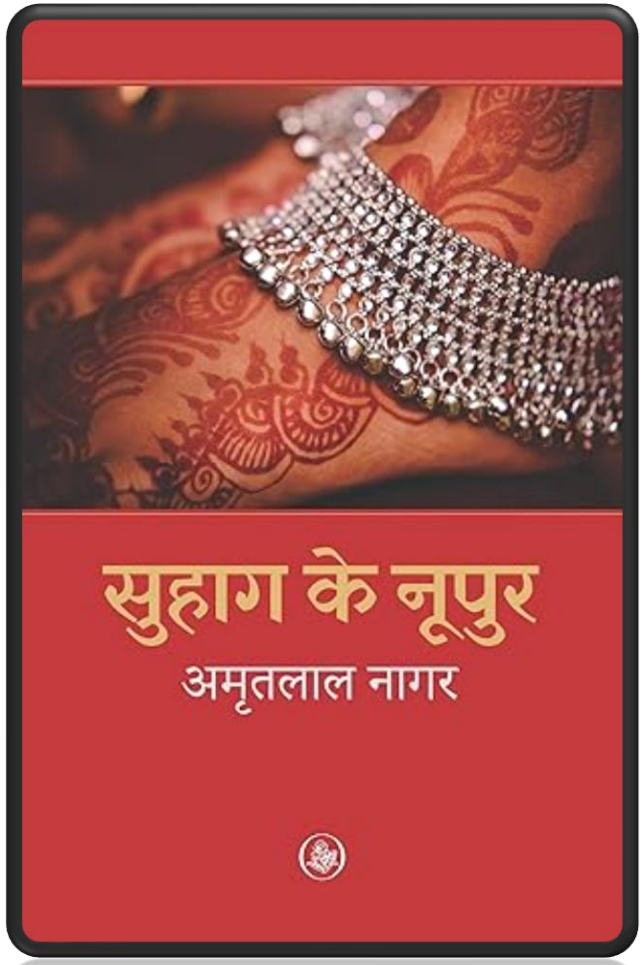

HB3028 – सुहाग के नूपुर

लेखक – अमृतलाल नागर

नागर जी का जन्म 17 अगस्त, 1916 को आगरा में हुआ। वह बांग्ला, तमिल, गुजराती और मराठी भाषाओं के ज्ञाता थे। नागरजी को 1967 में साहित्य अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। निधन : 23 फरवरी, 1990

सुहाग का नूपुर उपन्यास की कहानी, तीन इंसानों के इर्द-गिर्द घुमती है- माधवी, कोवलन और कन्नगी। माधवी रूप के बाज़ार की सबसे महँगी वैश्या है, जिस पर कावेरीपट्टनम का युवा वर्ग पूर्ण रूप से मोहित है और उसे किसी भी तरह पाना चाहता है। कोवलन कावेरीपट्टनम के एक धनी व्यापारी का बेटा है जो विदेशों से व्यापार में खूब धन कमा कर लाया है और जिसका दिल माधवी तीखे नेत्रों से घायल हो चूका है।

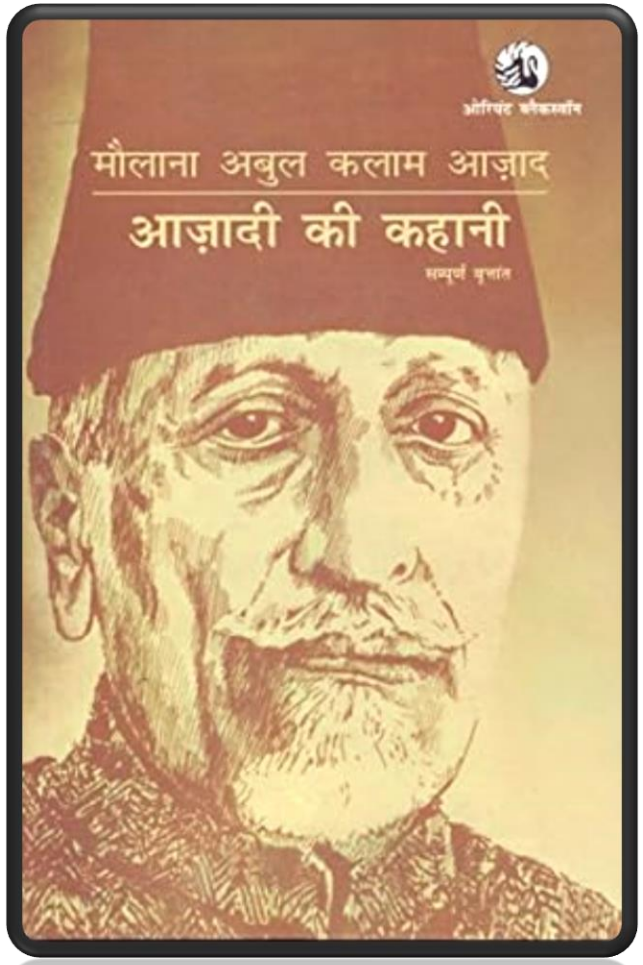

HB3026 – आजादी की कहानी

लेखक – मौलाना अबुल कलाम आजाद

मौलाना अबुल कलाम आजाद भारत के प्रथम शिक्षा मंत्री के साथ, वे प्रसिद्ध कवि, लेखक, पत्रकार और भारतीय स्वतंत्रता सेनानी थे। भारत की आजादी के बाद वे एक महत्त्वपूर्ण राजनीतिक पद पर रहे। वे महात्मा गांधी के सिद्धांतो का समर्थन करते थे।

आज़ादी की कहानी का यह संस्करण मौलाना अबुल कलाम आज़ाद की तीसवीं पुण्यतिथि के बाद प्रकाशित उनकी मूल अंग्रेज़ी पुस्तक इंडिया विन्स फ्रीडम के दूसरे और संपूर्ण संस्करण का हिंदी अनुवाद है। यह मौलाना आज़ाद की आत्मकथा मात्र न होकर भारतीय इतिहास का एक अध्याय है। यह कृति मौलाना आज़ाद की देश के प्रति समर्पित भावना एवं राष्ट्रीय संघर्ष की गतिविधियों और परिस्थितियों में उनकी प्रतिक्रियाओं की अभिव्यक्ति है।

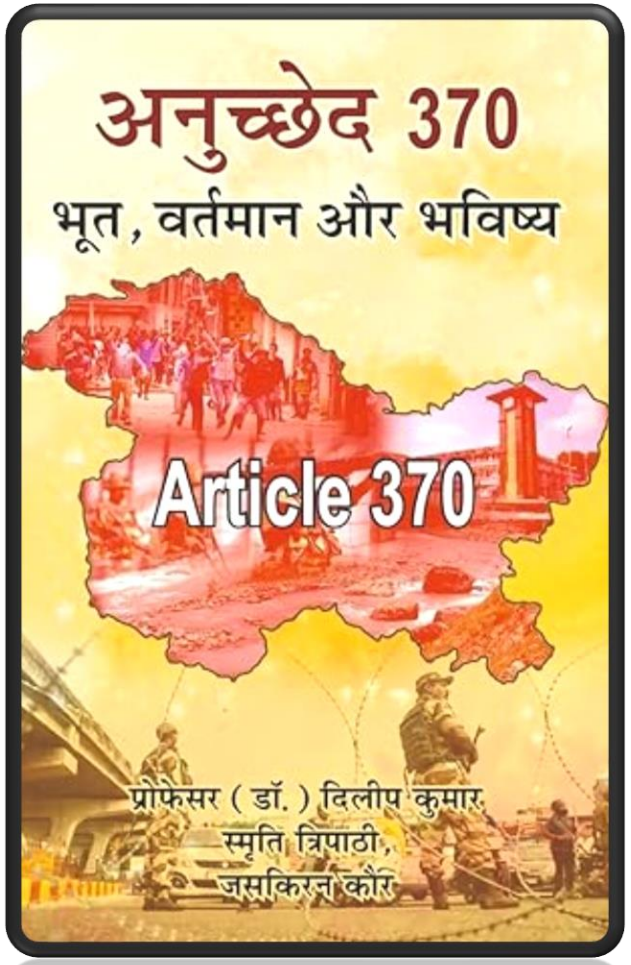

HB3035 – अनुच्छेद 370: भूत, वर्तमान और भविष्य

लेखक – प्रो. दिलीप कुमार, स्मृति त्रिपाठी और जसकिरन कौर

भारत के संविधान के अनुच्छेद 370 ने जम्मू और कश्मीर राज्य को एक विशेष दर्जा प्रदान किया, जिससे इसे भारतीय संघ के भीतर कुछ हद तक स्वायत्तता प्रदान की गई। अनुच्छेद 370 को एक अस्थायी प्रावधान के रूप में भारत के संविधान में शामिल किया गया था। यह 1954 में राष्ट्रपति के आदेश के माध्यम से किया गया था, जिसने कुछ संशोधनों के अधीन, भारतीय संविधान के विभिन्न प्रावधानों को जम्मू और कश्मीर तक बढ़ा दिया था।

प्रस्तुत पुस्तक अनुच्छेद 370 के पर लिखी गए रचना है, जिसमे विस्तार के साथ यह बाते बताए गए है की उसे किन कारणों से भारत के संविधान में सामील किया गया तथा उसे हटाने के वक्त आने वाली समस्या और तरीको के बारे मे चर्चा की गए है।

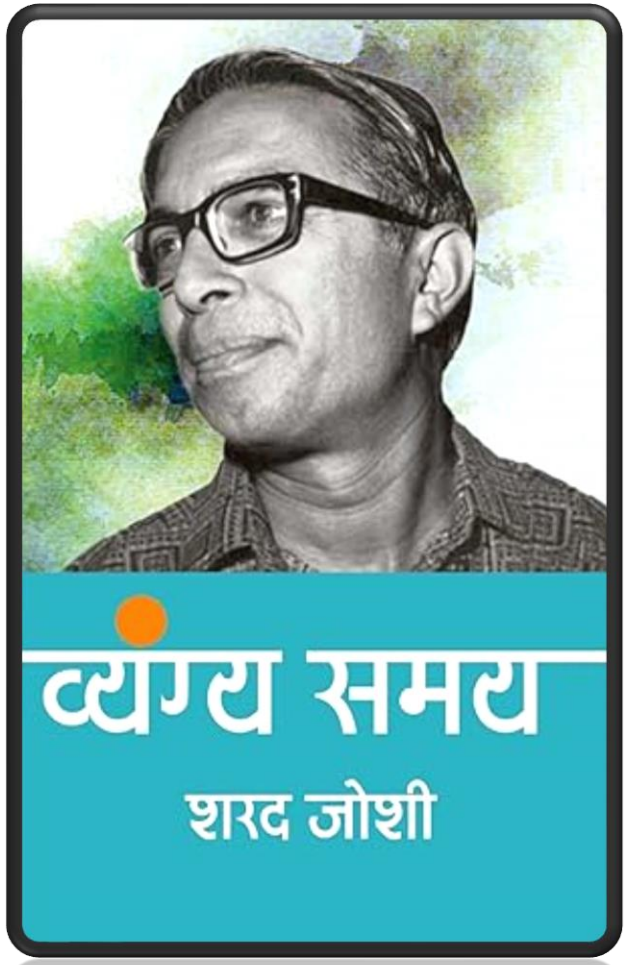

HB3060 – व्यंग्य समय

लेखक – शरद जोशी

शरद जोशी एक भारतीय कवि, लेखक, व्यंग्यकार और हिंदी फिल्मों और टेलीविजन में एक संवाद और पटकथा लेखक थे। 1990 में उन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया गया। शरद जोशी ने व्यंग्य लेखन की विधा को एक नया आयाम दिया है ।

प्रस्तुत पुस्तक की लेखनी के जरिए उस समय की सामाजिक, धार्मिक कुरीतियों और राजनीति पर चुटीला कटाक्ष किया है । हास्य और व्यंग्य का सहजात संबंध उनकी रचनाओं में मौजूद है। बतरस और ललित निबंध के साथ कहावतों व लोकप्रसंगों से विकसित व्यंग्य को शरद जोशी ने हिंदी गद्य का अनिवार्य अंग बनाया। उनके लेखन में विषय-वैविध्य किसी को भी चकित करता है।

HB3037 – जीवन कौशल

लेखक – डॉ. लक्ष्मीकान्त पाण्डेय

लक्ष्मीकान्त पांडेय का कानपुर और प्रयागराज से गहरा जुड़ाव है। बचपन पुस्तकों के बीच बीता। साहित्य और आयुर्वेद के ग्रंथ उस उम्र में पढ़ लिए, जब लोग पढ़ना शुरू करते हैं।

यह पुस्तक विभिन्न कौशल ज्ञान गंगा को आपके समक्ष प्रस्तुत करती है। आज के युग में कौशल विकास एक प्राथमिकता के रुप में हमारे जीवन के मध्य दृढ़ता से खड़े हुए हर पल हमें आंखे बढ़ी करके चिढ़ाता रहता है। यह पुस्तक सरल एवम् सहज भाषा में लिखी गयी है। हमारा उद्देश्य मानव जीवन में व्यवहार और दृष्टिकोण में परिवर्तन लाना है। लेखक और प्रकाशक आप सभी के उज्वल भविष्य की कामना करते हैं।